7/9

पाठ - 9 स्वार्थी अंजलि

कठिन शब्द :

1 अम्मा

2 सिर्फ़

3. रुआँसे

4. इकलौती

5. मुश्किल

6. उद्दंडता

7. प्रोग्राम

8 दिनचर्या

9 फ़िल्म

10 आइसक्रीम

11 स्वास्थ्य

12 स्वादिष्ट

13 कार्नफ़्लेक्स

14 स्तब्ध

पाठ-७

शब्दार्थ

1. दृढ़ - मजबूत
2. रुआँसे - रो पड़ने वाले
3. इकलौती - अकेली
4. उद्दंडता - शैतानी
5. दिनचर्या - रोज के काम
6. स्वादिष्ट - ज़ायकेदार
7. आश्वस्त - निश्चिंत
8. स्तब्ध - हैरान

8/9

पाठ-7

प्रश्नोत्तर (मौखिक)

प्र०1 अंजलि नाराज क्यों थी?
उत्तर उसका सामान उसकी माँ ने अलमारी से निकाल दिया, इसलिए नाराज थी।

प्र०2 दादा-दादी और अंजलि की दिनचर्या में क्या अंतर था?
उत्तर दादा दादी को सुबह उठकर पाठ-पूजा करना तथा अंजलि को ~~मनपसंद~~ टी॰वी॰ पर अपना मनपसंद प्रोग्राम देखती रहती थी। यही अंतर था।

प्र०3 दादी अंजली के लिए कौन-कौनसे व्यंजन पकाती थी?
उत्तर पराठे, सब्जियाँ, मिठाइयाँ, पकौड़े, सलाद और अचार पकाती थी।

प्र०4 अंजलि को अखबार पढ़ने की आदत किसने डलवाई?
उत्तर अंजलि को अखबार पढ़ने की आदत दादाजी ने डलवाई।

Date
Page

9/9

पाठ-7.

प्रश्नोत्तर (लिखित)

प्र०1 अंजलि के पिता ने अपने माता-पिता को अपने पास क्यों बुलाया था?

उत्तर क्योंकि वे बूढ़े हो चुके थे। गाँव में खेतीबाड़ी करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। उन्होंने गाँव की जमीन भी बेच दी थी।

प्र०2 अंजलि को अपना घर छोटा क्यों लगने लगा था?

उत्तर अंजलि के दादा-दादी के आने पर अचानक उसे लगा कि जैसे उसे कैद कर दिया गया हो और फिर अच्छा-खासा घर अचानक ही बहुत छोटा लगने लगा था।

प्र०3 दादाजी अंजलि की मदद किस प्रकार करते थे?

उत्तर दादाजी प्रोजेक्टों, गणित, अखबार पढ़ने, बस स्टॉप तक छोड़ने तथा दुनियाभर में घटने वाली घटनाओं के बारे में बताकर उसकी मदद करते थे।

प्र०4 दादा-दादी के जाने के बाद अंजलि को उनकी कमी क्यों महसूस होने लगी?

उत्तर दादा-दादी के जाने के बाद उसे सूनापन लगने लगा था। स्कूल से लौटते ही वही अकेला टी॰वी॰ ही उसका साथी था। अब उसे संयुक्त परिवार का मतलब समझ आ गया क्योंकि माँ भाग-दौड़ करते-करते थक जाती थी। समय ही नहीं बचता था। संयुक्त परिवार की हलचल की जगह खामोशी छा गई थी। इसलिए अंजलि को उनकी कमी महसूस होने लगी।

सबसे बुरी बात ....

दादी जी की सबसे अच्छी बात ....

सबसे बुरी बात ....

इस बारे में अपने दादा जी-दादी जी से बात कीजिए।

भाषा कौशल– शुद्ध उच्चारण, पठन एवं लेखन, शब्द संपदा चयन एवं लेखन, भाषा प्रयोग

भाषा से

बात वर्ण की

1. उर्दू और अंग्रेज़ी शब्दों के शुद्ध उच्चारण के लिए हम 'ज' और 'फ' वर्णों के नीचे नुक़्ता लगाते हैं– ज़/फ़।

निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़िए–

आवाज़ ज़ोर ज़मीन ज़िंदगी चीज़ें रोज़ ज़िद
ज़रा मज़ा ज़्यादा सब्ज़ियाँ ज़िम्मेदारी

सिर्फ़ फ़िल्म टिफ़िन ऑफ़िस कॉर्नफ़्लेक्स फ़ोन

दिए गए स्थान में ज़ और फ़ ध्वनि वाले दो-दो नए शब्द लिखिए-

ज़ ....ज़रा.... ....रोज़....

फ़ ....फ़ोन,.... ....सिर्फ़....

2. ट ठ ड ढ ण यह पंक्ति टवर्ग कहलाती है। इसके साथ दो वर्ण और हैं-ड़,

निम्नलिखित वर्णों और शब्दों का दो-दो बार शुद्ध उच्चारण कीजिए-

ड	ढ	ड़	ढ़
डरना	ढक्कन	लड़ना	दृढ़
डलिया	ढलान	छोड़ना	बूढ़ा
उद्दंड	गड्ढा	दौड़ना	पढ़ना

अब दो-दो शब्द स्वयं लिखिए–

ड	डरना	डलिया	ड़	लड़ना	घोड़ा
ढ	ढक्कन	ढलान	ढ़	ढ़	बूढ़ा

बात शब्द की

1. निम्नलिखित शब्दों को पढ़िए, आप इनमें से कौन-सा व्यवहार अपनाना चाहेंगे? लिखिए–

तुनकना कुड़कुड़ाना मुसकराना रूठना खिलखिलाना
हँसना बड़बड़ाना चिल्लाना मुँह बनाना

मुसकराना खिलखिलाना हँसना तुनकना।

2. निम्नलिखित शब्दों में से आप अपनी बातचीत में किन शब्दों का प्रयोग करते हैं? उन पर सही (✓) का निशान लगाइए–

चीज़	✓	वस्तु		रोज़	✓	प्रतिदिन	
स्त्री		औरत	✓	ज़्यादा	✓	अधिक	
ज़िंदगी		जीवन	✓	लेकिन	✓	किंतु	

3. निम्नलिखित शब्दों को पढ़िए, अर्थ समझिए और रंगीन शब्दों से वाक्य बनाइए–

आदी – शौकीन	जरा – बुढ़ापा	हाल – हालत/तबियत
आदि – वगैरह	ज़रा – थोड़ा-सा	हॉल – कमरा

मैं नमकीन खाने की आदी हूँ।
जैसे कुत्ता, बिल्ली आदि।
मुझे जरा बुढ़ापा है।
बेटा ज़रा पानी लाना।
आज मेरी हालत खराब है।
मेरे घर में एक हॉल है।